Raja Mansingh Tomar Music & Arts University, Gwalior (M.P.)

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM (CBCS)

Yearly Grading Scheme

B.A. II YEAR (Kathak) PRIVATE

Subject cod	Subject Nature	End Term	Total Mark %	Minimum Passing Mark %
Group-A	***Core Subject – Kathak***			
C1-101	History & development of Indian dance	100	100	33%
C1-102	Essay composition, rhythmic pattern and principles of practical	100	100	33%
C1-103	Practical one (with nss camp)	100	100	33%
Group-B	Elective open-1 LITERATURE any one following for teaching availability (HINDI/ENGLISH/SANSKRIT)			
E1-101	THEORY-1	100	100	33%
E1-102	THEORY-2	100	100	33%
	Elective open-2- SOCIAL SCIENCE			
	any one following for teaching availability (HISTORY/PHILOSOPHY)			
E2-101	THEORY-I	100	100	33%
E2-102	THEORY-II	100	100	33%
Group- C	***FOUNDATION COURSE (Compulsory)***			
F-HM-101	HINDI & MORAL VALUES - I	100	35	33%
F-HM-102	ENGLISH LANGUAGE - II	100	35	33%
F-HM-103	ENVIRONMENTAL STUDY - III	100	30	33%
	GRAND Total Credits & Hours			

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

स्नातक कक्षाओं के लिये वार्षिक पद्धति अनुसार पाठ्यक्रम(स्वाध्यायी)

Choice Based Credit System- (CBCS)

सत्र 2021–22

Class : B.A. IInd Year
Subject : Kathak
Paper : Ist
Title of paper : भारतीय नृत्य का इतिहास, विकास एवं प्रयोगात्मक सिद्धांत (History & development of Indian Dance)
Compulsory/Optical : Compulsory
Max. Marks : Total 100

Particulars/विवरण

Unit- 1$_{st}$	पारिभाषिक शब्दों का अध्ययन– 1. आचार्य नन्दिकेश्वर द्वारा रचित 'अभिनय दर्पण' के अनुसार संयुक्त हस्त(1 से 16 तक) का चित्रांकन एवं विनियोग सहित वर्णन। 2. आचार्य नन्दीकेश्वर द्वारा रचित 'अभिनय दर्पण' के अनुसार दृष्टि भेदों का विस्तृत अध्ययन।	
Unit- IInd	1. आचार्य नन्दीकेश्वर द्वारा रचित 'अभिनय दर्पण' के अनुसार संयुक्त हस्तमुद्राओं का क्रमानुसार (16 से 23) का चित्रांकन एवं विनियोग सहित वर्णन। 2. आचार्य भरतमुनि द्वारा रचित नाट्यशास्त्र के अनुसार भ्रकुटि भेदों का अध्यन।	
Unit- IIIrd	1. भरतकाल से मध्यकाल तक भारतीय नृत्यों का इतिहास 2. शास्त्रीय नृत्य शैली कथकली का अध्ययन।	
Unit- IVth	1. ताल के दस प्राण। 2. कथक नृत्य की उत्पत्ति से संबंधित विभिन्न कथाएं।	
Unit- Vth	1. कथक नृत्य में घुँघरू के लक्षण एवं उपयोगिता। 2. आचार्य नन्दीकेश्वर द्वारा रचित 'अभिनय दर्पण' के अनुसार पात्र लक्षण का विवेचन।	

नोटः–तृतीयवर्ष के ताल –झपताल, सूलताल धमार एवं आडा चौताल
प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम की पुनर्रावृत्ति

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

स्नातक कक्षाओं क़े लिये वार्षिक पद्धति अनुसार पाठ्यक्रम(स्वाध्यायी)

Choice Based Credit System- (CBCS)

सत्र 2021–22

Class : B.A. IInd Year
Subject : Kathak
Paper : 2nd
Title of paper : निबंध संरचना, लयकारी एवं प्रयोगात्मक सिंद्धात
(Essay composition rhythmic pattern and principal of practical)
Compulsory/Optical : Compulsory
Max. Marks : Total 100

Particulars/विवरण

Unit- 1st	1. नायक भेदों का अध्ययन। 2. रासलीला की उत्पत्ति एवं विकास का अध्ययन।	
Unit- IInd	1. भातखण्डे तथा पलुस्कर ताललिपि पद्धति का अध्ययन। 2. कथक नृत्य के जयपुर घराने की शैलीगत विशेषताएं एवं गुरूओं का जीवन परिचय। पं. जयलाल, सुंदर प्रसाद, नारायण प्रसाद, कुंदनलाल गंगानी, राजेन्द्र गंगानी, विदुषी जयकुमारी ।	
Unit- IIIrd	1. रायगढ़ घराने की शैलीगत विशेषताएं एवं उनके नृत्यकारों की जानकारी। जीवनीयाँ एवं कथक नृत्य में योगदान। 2. ओडिसी शास्त्रीय नृत्य शैली का परिचयात्मक ज्ञान।	
Unit- IVth	1. मध्यप्रदेश के लोकनृत्यों का संक्षिप्त अध्ययन। 2. लिपिबद्ध करने की क्षमता– रूपक या धमार एवं झपताल, सुलताल, तालों के ठेकों की ठाह, दुगुन, चौगुन एवं प्रायोगिक में सीखे गये सभी बोल बंदिशें।	
Unit- Vth	1. भजन, वंदना, ठुमरी गीत, गजल का भाव पक्ष के अन्तर्गत परिचयात्मक ज्ञान। 2. झपताल या धमार में एक आमद एवं परन लिपिबद्ध करने की क्षमता।	

नोटः– तृतीय वर्ष के ताल –धमार, झपताल, सूलताल

संदर्भित पुस्तकें:–

1. भारतीय संस्कृति में कथक परपंरा (डॉ. मांडवी सिंह)
2. कथक दर्पण (स्व. श्री तीरथराम आजाद)
3. रायगढ़ में कथक (श्री कार्तिकराम जी)
4. कथक नृत्य शिक्षा भाग एक एवं दो (डॉ. पुरू दाधीच)
5. कथक कल्पद्रुम (डॉ. चेतना ज्योतिषी व्यौहार)
6. संगीत दर्पण (श्री दामोदर पंडित)
7. अभिनय दर्पण (श्री वाचस्पति गैरोला)
8. नटवरी नृत्यमाला (गुरू विक्रम)
9. कथक नृत्य (श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग)

10. कथक नर्तन (डॉ. विधि नागर)
11. कथक मध्यमा (डॉ. भगवानदास माणिक)
12. कथक नृत्य शिक्षा भाग–1 (डॉ. पुरू दाधीच)
13. कथक नृत्य का मंदिरों से संबंध ''जयपुर घराने विषेष संदर्भ में'' (डॉ. अंजना झा)

प्रायोगिक– प्रदर्शन एवं मौखिक **पूर्णांकः 100**

Unit- 1st	1. तीन ताल में निम्नानुसार नृत्य– पूर्व में सीखे गये नृत्य के अतिरिक्त तिस्त्र एवं चतुस्त्र जाति के तोड़े एवं दो परन, नवहक्का परन, चार तिहाइयां 2. तीनताल में निम्नानुसार नृत्य प्रदर्शन एवं दो मिश्र जाति के तोड़े एवं दो परन, नवहक्का परन, चार तिहाइयां एवं फरमाईशी परन एवं तोड़े।
Unit- IInd	1. गत विकास–रूखसार, ठाठ की गत। 2. गतभाव– गोवर्धनपूजा
Unit- IIIrd	1. सरस्वती वंदना एवं कृष्ण वंदना पर भाव प्रदर्शन। 2. मध्यप्रदेश के कोई एक लोकनृत्य का प्रदर्शन। 3. कृष्ण वंदना पर भाव प्रदर्शन। 4. किसी एक प्रादेशिक लोकनृत्य का प्रदर्शन।
Unit- IVth	1. झपताल, सुलताल में निम्नानुसार नृत्य– पद संचालन, थाठ, एक आमद, तीन तोड़े, एक प्रिमूल दो परन (जातिगत), दो कवित्त 2. धमारएवं आडा चौताल, रूपक ताल में निम्नानुसार नृत्य पद संचालन, एकगुन, दुगुन, तिगुन, चौगुन, ठाट एक आमद, पांच तोड़े, दो (जातिगत) परन, एक कवित्त।
Unit- Vth	पढ़न्त करने की क्षमता– 1. झपताल, सुलताल तालों के ठेकों की ठाह, दुगुन, तिगुन, चौगुनसहित। 2. प्रायोगिक में सीखे गये समस्त बोल बंदिशें।